

काव्य. शृंगार-रस का स्थायी भाव वि. देश. तौल में रत्ती।

**रतिकर** वि. (तत्.) 1. प्रेम उत्पन्न करने वाला या प्रेम बढ़ाने वाला, आनंद देने वाला, आनंद वर्धक।

**रतिकलह** स्त्री. (तत्.) 1. काम क्रीडा के समय प्रेमी और प्रेमिका के बीच होने वाली प्रणय-स्पर्धा 2. संभोग, मैथुन 3. एक समाधि 4. कामी।

**रतिज** वि. (तत्.) रति से उत्पन्न, संभोग जन्य, संभोग से संबंधित, संभोग का।

**रतिज-रोग** पुं. (तत्.) संभोग से उत्पन्न या संक्रमित बीमारी जैसे उपदंश आदि।

**रतिज-रोग-विज्ञानी** पुं. (तत्.) संभोग से उत्पन्न या संक्रमित बीमारियों का निदान, चिकित्सा आदि करने वाला विशेषज्ञ।

**रतिदान** पुं. (तत्.) संभोग, मैथुन, प्रसंग।

**रतिनाथ** पुं. (तत्.) कामदेव।

**रतिनायक** पुं. (तत्.) कामदेव।

**रतिनाह** पुं. (तत्.) रतिनाथ, कामदेव।

**रतिनिष्पत्ति** स्त्री. (तत्.) 1. संभोग करते समय, संभोग में आनंद की चरमावस्था जिसके समापन स्वरूप पुरुष का वीर्य स्थलित हो जाता है 2. स्त्री या पुरुष प्रजनन अंगों को यौन-सुख की प्राप्ति के लिए हाथ से उत्तेजित करते हुए इस तरह की चरमावस्था की प्राप्ति।

**रतिपति** पुं. (तत्.) कामदेव।

**रतिपद** पुं. (तत्.) काव्य. छंद-शास्त्र में एक समवर्णिक छंद, कमला, कुमुद।

**रतिप्रिय** पुं. (तत्.) 1. रति से आनंदित होने वाला पुरुष, कामुक, जिसे मैथुन प्रिय हो 2. कामदेव।

**रतिबंध** पुं. (तत्.) कामशास्त्र में वर्णित रतिक्रिया के लिए अनेक प्रकार के शारीरिक आसन या संभोग विधि। महर्षि वात्स्यायन द्वारा रचित एक प्राचीन संस्कृत ग्रंथ 'कामसूत्र' में कामकला से संबंधित विवाहित स्त्री पुरुषों के लिए उपयोगी

सामग्री उपलब्ध है, इसमें कामसुख बढ़ाने वाले लगभग चौंसठ शारीरिक आसनों का वर्णन है।

**रतिबंधु** पुं. (तत्.) रति सुखदायक, बंधु या पति, प्रेमी, मैथुन में साथ देने वाला व्यक्ति।

**रतिभवन** पुं. (तत्.) 1. रतिक्रिया करने का स्थान या घर, पति-पत्नी का कमरा 2. प्रेमिका की योनि या रति-छिद्र।

**रतिभाव** पुं. (तत्.) स्त्री-पुरुष के हृदय में उत्पन्न पारस्परिक प्रेम का भाव, प्रेम।

**रतिमंदिर** पुं. (तत्.) दे. रतिभवन।

**रतिमांद्य** पुं. (तत्.) कठिनाई से किया जाने वाला संभोग, रतिकर्म के लिए इच्छा की कमी, रतिक्रिया में कठिनता, कृच्छ्र मैथुन।

**रतिरमण** पुं. (तत्.) संभोग में लगना, रतिक्रिया का सुख या आनंद पाना।

**रतिरस** पुं. (तत्.) संभोग का सुख या आनंद।

**रतिराज** पुं. (तत्.) रति (सौंदर्य और प्रेम की देवी) का स्वामी या पति, कामदेव टि. कामदेव को प्रेम और काम भावना का देवता माना गया है, उनकी पत्नी रति और मित्र वसंत हैं।

**रतिलेखा** स्त्री. (तत्.) काव्य. एक प्रकार का समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः सगण, 3 नगण, सगण और गुरु मिलाकर 16 वर्ण होते हैं और 11 और 5 वर्ण पर यति होती है।

**रतिवंत** पुं. (तत्.) रति (संभोग) से सुख का अनुभव करने वाला व्यक्ति वि. खूबसूरत, सुंदर।

**रतिवर** पुं. (तत्.) 'रति' (सुंदरता की देवी) का पति, कामदेव टि. पौराणिक आख्यान के अनुसार इंद्र ने तपस्वियों के तप को भंग करने के लिए कामदेव को नियुक्त किया, शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया और फिर कृपा करके शरीर रहित (अनंग) होकर उन्हें जीवित रहने का वरदान दिया, तब से कामदेव प्राणियों के मन में रहने लगे।